प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जि0शि0अ0(प्रा0शि0)
चम्पावत

पत्रांक/निरीक्षण/ 2833 /2014–15 दिनांक 9 जुलाई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जून 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी
रा0प्रा0वि0 पल्सौं	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था वर्ष में किये गये प्रशिक्षणों का कक्षा–कक्ष में प्रयोग नहीं किया जा रहा है।
रा0उ0प्रा0वि0 दुधौरी	छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन नहीं किया जा रहा था।
रा0उ0प्रा0वि0 खटोली	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।
रा0उ0प्रा0वि0 कलचौड़ा	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। समुदाय द्वारा विद्यालय हित में सहयोग प्रदान नहीं किया जा रहा है। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।
रा0प्रा0वि0 लटोली	पुस्तकें उपलब्ध नहीं पायी गयी।
रा0प्रा0वि0 त्यारकुड़ा	गतिविधि आधारित शिक्षण न्यून पाया गया। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक रूप से किया जा रहा है। सुझावों का पूर्ण अनुपालन आंशिक किया जा रहा है।
रा0प्रा0वि0 मानर	विद्यालय का सौन्दर्यीकरण न्यून पाया गया। छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

9/7/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
देहरादून।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1083 /2014–15 दिनांक 9 जुलाई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह जून 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी	अपेक्षित कार्यवाही
रा0उ0मा0वि0 जाडी चकराता	श्रेणी चिन्ताजनक। छात्र उपस्थिति अति न्यून। शैक्षणिक स्तर अति न्यून	प्रधानाध्यापक को चेतावनी निर्गत करते हुये स्पष्टीकरण प्राप्त करें।
रा0इ0का0 मसूरी	परिषदीय परीक्षा परिणाम असंतोषजनक।	प्रधानाचार्य एवं सम्बन्धित शिक्षकों से कारण बताओं नोटिस जारी करते हुये स्पष्टीकरण प्राप्त करें।
रा0उ0मा0वि0 कोटिकनासर चकराता	पूर्णकालिक प्रधानाध्यापक की आवश्यकता है। श्रेणी असंतोषजनक	श्रेणी सुधार हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित करें।
रा0उ0मा0वि0 झडीपानी	श्रेणी असंतोषजनक। छात्र उपस्थिति अति न्यून।	श्रेणी सुधार एवं छात्र उपस्थिति हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित करें।
	परिषदीय परीक्षा परिणाम न्यून।	प्रधानाचार्य एवं सम्बन्धित शिक्षकों से कारण बताओं नोटिस जारी करते हुये स्पष्टीकरण प्राप्त करें व चेतावनी निर्गत करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें व अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
9/7/14
(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी मा0
नैनीताल।

पत्रांक/निरीक्षण/ 2035 /2014–15 दिनांक 9 जुलाई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित जून 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी	अपेक्षित कार्यवाही
गो0ब0पं0इ0का0 भवाली	हा0परीक्षाफल संतोजनक नहीं है।	प्रधानाध्यापक को चेतावनी निर्गत करते हुये स्पष्टीकरण प्राप्त करें।
रा0इ0का0 पटुवाडांगर	शिक्षकों द्वारा डायरी नहीं बनायी गयी है। निरीक्षण के दौरान कक्षा 9 अग्रेजी कक्षा 12 कम्प्यूटर कक्षा 8 में पर्यावरण कक्षायें शिक्षक विहिन पायी गयी।	प्राधानाचार्य को डायरी उपलब्ध कराने एवं नियमित अवलोकन हेतु निर्देशित करें। प्रधानाचार्य एवं सम्बन्धित शिक्षकों से कारण बताओं नोटिस जारी करते हुये स्पष्टीकरण प्राप्त करें।
रा0इ0का0 सुन्दरखाल	दिनांक 16–06–2014 को मध्यान्तर के बाद विद्यालय बन्द पाया गया।	प्रधानाचार्य का स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुये अग्रेत्तर कार्यवाही करें।
रा0इ0का0 पदमपुर	शिक्षकों द्वारा डायरी नहीं बनायी गयी है। प्रवक्ता भौतिक द्वारा स्कूल में तम्बाकू, गुटका का सेवन करते हुये पाया गया।	श्रेणी सुधार एवं छात्र उपस्थिति हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित करें। प्रवक्ता भौतिक से इस संदर्भ में लिखित चेतावनी निर्गत करें। सुधार हेतु समय सीमा निर्धारित करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें व अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

9/7/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
अल्मोडा।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1836 /2014–15 दिनांक 9 जुलाई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह मई एवं जून 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के कम में विद्यालयों में निम्नवत सुधार हेतु निर्देशित किया जाता है–

1 विद्यालय मानचित्रण यथा–निर्देशानुसार निर्मित किये जाये।
2 विद्यालय अभिलेखों की प्रविष्टि अद्यतन की जायें।
3 रा0प्रा0वि0 में गतिविधि आधारित आसन व्यवस्था हेतु प्रधानाध्यापक को निर्देशित करें।
4 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण नियमित रूप से किया जाय।
5 एस0एम0सी0 की बैठक भौतिक एवं अकादमिक संसाधनों के विकास पर केन्द्रित हो।
6 शिक्षकों द्वारा शैक्षिक दैनन्दिनी में नियमित रूप से प्रविष्टियां अंकित की जाए एवं संस्था प्रधान द्वारा उन्हे अवलोकित किया जाय।
7 प्रा0विद्यालयों में सी0सी0ई0 मानक प्रश्न पत्रानुसार उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कर किया जाय।
8 उपचारात्क शिक्षण की व्यवस्था की जाय।
9 विषयानुसार टी0एल0एम0 का निर्माण शिक्षकों के माध्यम से कराया जाय एवं विद्यालयों में टी0एल0एम0 कॉर्नर विकसित किये जांये।
10 गतिविधि आधारित शिक्षण पर प्रशिक्षण की व्यवस्था डायट के माध्यम से कराते हुये प्रोत्साहन दिया जाय।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
9/7/14
(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
पौड़ी गढ़वाल।

पत्रांक – निरीक्षण/ 1810-11 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक डायट पौडी द्वारा जनपद के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में माह अप्रैल व मई 2014 में निरीक्षण के दौरान पायी गयी कमियों के निराकरण हेतु अपेक्षित कार्यवाही की संस्तुति की गयी है।

1 विद्यालयों में समय सारणी निर्माण नहीं किया गया है।
2 विद्यालयों में नामांकन न्यून है।
3 प्राधानाध्यापक एस0एम0सी0 के माध्यम से नामांकन बढाने हेतु प्रयास करें।
4 विद्यालयों में श्यामपट्ट की उचित व्यवस्था नहीं है। विद्यालयों में टी0एल0एम0 कार्नर का निर्माण किया जाय तथा टी0एल0एम0 सामाग्री का नवीनीकरण किया जाय।
5 दैनन्दिनी सभी शिक्षकों द्वारा नियमित रूप से लिखी जाय व प्रधानाध्यापक द्वारा हस्ताक्षरित की जाय।
6 सभी विद्यालयों में एम0डी0एम0 हेतु ईधन के रूप में गैस की व्यवस्था की जाय।
7 नियमित रूप से गृह कार्य का निरीक्षण किया जाय।
8 छात्रों का सम्प्राप्ति स्तर गणित, अंग्रेजी व भाषा में न्यून है।
9 विद्यालय परिसर के सौन्दर्यकरण पर ध्यान दिया जाय।
10 बच्चें स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित गणवेश में विद्यालय आयें।
11 सी0सी0ई0 पंजिका में टिप्पणी विस्तृत रूप से लिखी जाय।
12 निशुल्क पाठ्य पुस्तकों को निर्धारित समयान्तर्गत वितरित करने की व्यवस्था की जाय।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि प्राथमिक विद्यालयों में उपरोक्त सुधारों हेतु अपने स्तर से आदेश निर्गत करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु निरीक्षण एवं अनुश्रवण करने को आदेशित करें। अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

पृ0सं0 – निरीक्षण/1810-11 /2014–15/तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. प्राचार्य डायट पौडी को इस आशय से प्रेषित कि अकादमिक अनुसमर्थन के लिए डायट में नियुक्त स्टॉफ को लैब एरिया में निरीक्षण हेतु भेजें।

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा०शि0)
नैनीताल

पत्रांक/निरीक्षण/ 1809 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 में विद्यालयों की निरीक्षण आख्या की समीक्षा के आधार पर जनपद के सभी प्रधानाध्यापकों को निम्न निर्देश निर्गत करने का कष्ट करें।

1 विद्यालयों में छात्र उपस्थिति शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाये इस हेतु एस0एम0सी0 का सहयोग प्राप्त किया जाय।

2 छात्र संख्या पंजीकरण में वृद्धि हेतु प्रधानाध्यापक/अध्यापक, एस0एम0सी0 व अभिभावको से विचार विमर्श कर सहयोग प्राप्त करें।

3 विद्यालय प्रांगण एवं विशेष रूप से किचन की साफ–सफाई पर ध्यान दिया जाय।

4 भोजन मेन्यू के अनुरूप एम0डी0एम0 की व्यवस्था की जाय।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु निरीक्षण एवं अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
31/5/14
(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा०शि0)
देहरादून।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1800 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी	अपेक्षित कार्यवाही
रा0उ0मा0वि0 कामला चकराता	स0अ0 ममता जुलाई 2013 एवं स0अ0 आसफां जबी 10–05–2014 से निरीक्षण तिथि 17 मई 2014 तक अनुपस्थित पायी गयी।	तत्काल स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।
दयानन्द गर्ल्स इण्टर कॉलेज सुभाषनगर। कैंट गर्ल्स इण्टर कॉलेज गढी कैंट सहसपुर।	एम0डी0एम0 नहीं बन रहा है।	प्राधानाचार्य का स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुये अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा०शि0)
बागेश्वर

पत्रांक/निरीक्षण/ 1799 /2013–14 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा अधिकांश विद्यालयों में निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है–

1 छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई।
2 निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण के लक्ष्य प्राप्त नहीं हुए।
3 गतिविधि आधारित शिक्षण , टी0एल0एम0 का प्रयोग ,छात्र प्रतिभागिता , गृह कार्य का निरीक्षण ,शिक्षक दैनंदिनी , सतत एवं व्यापक मूल्यांकन तथा उपचारात्मक शिक्षण आंशिक रूप से हो रहा है।
4 शिक्षक–छात्र संवाद केवल कुछ छात्रों तक सीमित है।
5 मीनू के अनुसार भोजन वितरण नहीं हो रहा है एवं भोजनालय में स्वच्छता एवं छात्र–छात्राओं को भोजन से पूर्व एवं बाद में साबुन की व्यवस्था नहीं की जा रही है।
6 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं किया जाता है।
7 पुस्तकालय का प्रयोग छात्रहित में नहीं किया जा रहा, छात्रों को पुस्तकों का वितरण समुचित रूप से नहीं किया जा रहा है।
8 कोई नवाचार/नया प्रयास छात्रों की सम्प्राप्ति स्तर को बढाने के लिये नहीं किया जा रहा है।
9 विद्यालय अभिलेख या तो पूर्ण नहीं है या फिर आंशिक रूप से ही भरे गये हैं।
10 विद्यालय के भौतिक परिवेश का सौन्दर्यकरण समुचित नहीं है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा०शि0)

चम्पावत।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1798 /2013–14 दिनांक 3/ मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी
रा0प्रा0वि0 चौड़ामेहता	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।श्यामपट का उपयोग नही किया जा रहा है कक्षा शिक्षण अत्यन्त न्यून स्तर का है।:– मध्यान्ह भोजन का अभिलेखीकरण उचित नही है।
हाईस्कूल धूनाघाट	छात्रों का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।
रा0प्रा0वि0 पीपलाटी	विद्यालय में शौचालय, पेयजल की उचित व्यवस्था नही हैं। गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। श्यामपट का पूर्ण उपयोग नही किया जा रहा है ।
रा0प्रा0वि0 जोश्यूड़ा	गतिविधि आधारित शिक्षण नही किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा था।
रा0उ0प्रा0वि0 दुधपोखरा	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नही किया जा रहा था।
रा0प्रा0वि0 दुधपोखरा	टी0एल0एम0 का प्रयोग नही किया जा रहा था।
हाईस्कूल कालाकोट	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था। टी0एल0एम0 का प्रयोग नही किया जा रहा था।. श्यामपट कार्य में छात्रों की सहभागिता प्रायः नही के बराबर है। सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक किया जा रहा था।
रा0प्रा0वि0 सिमलखेत	गतिविधि आधारित शिक्षण नहीं किया जा रहा था।सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आंशिक रुप से किया जा रहा था। रसोई धर नही है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/05/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
रूद्रप्रयाग।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1797 /2013–14 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा विद्यालयों निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है।

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी
रा0प्रा0वि0 किमाडा	विद्यालय जीर्ण–क्षीर्ण स्थिति में है। छात्र–छात्राओं के अभ्यास पुस्तिका की जांच सही नही की गयी। सतत व्यापक मूल्यांकन एवं स्वस्थ्य परीक्षण की स्थिति संतोषजनक नहीं है।
रा0प्रा0वि0 बसुकेदार	विद्यालय अत्यन्त जीर्ण–क्षीर्ण है। शैक्षिक स्थिति संतोषजनक नहीं पायी गयी।
रा0क0उ0प्रा0वि0 बसुकेदार	विद्यालय भवन का रख रखाव अच्छा नहीं है।विद्यालय भवन का निर्माण कार्य अपूर्ण है। शैक्षिक स्थिति उचित नहीं पायी गयी।
रा0प्रा0वि0 पठालीयधार	विद्यालय भवन कि स्थिति जीर्ण–क्षीर्ण पायी गयी। छात्र–छात्राओं की अभ्यास पुस्तिकाओं की जांच सही नही पयी गयी। सतत व्यापक मूल्यांकन की स्थिति संतोषजनक नहीं है।
रा0जू0हा0 पठालीधार	शैक्षिक स्थिति उचित नहीं पायी गयी। टी0एल0एम0 का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। विद्यालय भवन का रखरखाव एवं सौन्दीर्यकरण ठीक नहीं है।
रा0इ0का0 पठालीधार	विद्यालय के पास भवन का अभाव है।
रा0प्रा0वि0 भरांणसैंण	सर्व शिक्षा अभियान की पाठय पुस्तके यथासमय उपलब्ध नहीं करायी गयी। सौन्दीर्यकरण ठीक नहीं है।
रा0उ0प्रा0वि0 भरांणसैंण	सर्व शिक्षा अभियान की पाठय पुस्तके यथासमय उपलब्ध नहीं करायी गयी। सौन्दीर्यकरण ठीक नहीं है।
रा0प्रा0वि0, रा0उ0प्रा0वि रौठियां	सर्व शिक्षा अभियान की पाठय पुस्तके यथासमय उपलब्ध नहीं करायी गयी।
रा0जू0हा0 रूमासी	स्वास्थ्य परीक्षण नहीं कराया गया है।
रा0प्रा0वि0 भौंसाल	विद्युत कनेक्शन नहीं है। सर्व शिक्षा अभियान की पाठय पुस्तके यथासमय उपलब्ध नहीं करायी गयी।

उक्तानुसार अधिकांश विद्यालयों में सर्व शिक्षा अभियान की पाठय पुस्तके यथासमय उपलब्ध नहीं करायी गयी है एवं एम0डी0एम0 में मेन्यू के अनुसार नहीं दिया जा रहा है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु तत्काल आवश्यक कार्यवाही करें। खण्ड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा०शि0)
बागेश्वर

पत्रांक/निरीक्षण/ 1796 /2013–14 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा आधिकांश विद्यालयों में निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है–

11 छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई।
12 निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण के लक्ष्य प्राप्त नहीं हुए।
13 गतिविधि आधारित शिक्षण , टी0एल0एम0 का प्रयोग ,छात्र प्रतिभागिता , गृह कार्य का निरीक्षण ,शिक्षक दैनंदिनी , सतत एवं व्यापक मूल्यांकन तथा उपचारात्मक शिक्षण आंशिक रूप से हो रहा है।
14 शिक्षक–छात्र संवाद केवल कुछ छात्रों तक सीमित है।
15 मीनू के अनुसार भोजन वितरण नहीं हो रहा है एवं भोजनालय में स्वच्छता एवं छात्र–छात्राओं को भोजन से पूर्व एवं बाद में साबुन की व्यवस्था नहीं की जा रही है।
16 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं किया जाता है।
17 पुस्तकालय का प्रयोग छात्रहित में नहीं किया जा रहा, छात्रों को पुस्तकों का वितरण समुचित रूप से नहीं किया जा रहा है।
18 कोई नवाचार/नया प्रयास छात्रों की सम्प्राप्ति स्तर को बढाने के लिये नहीं किया जा रहा है।
19 विद्यालय अभिलेख या तो पूर्ण नहीं है या फिर आंशिक रूप से ही भरे गये हैं।
20 विद्यालय के भौतिक परिवेश का सौन्दर्यकरण समुचित नहीं है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक

विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी

चम्पावत।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1795 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा आधिकांश विद्यालयों में निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है–

1 एम0डी0एम0 के अभिलेखों का रख रखाव उचित नहीं है। अभिलेखों में दैनिक प्रविष्टियों की अंकना नहीं की जा रही है।

2 रा0प्रा0वि/रा0पू0मा0वि0 के प्र0अ0 विद्यालय/मुख्यालय से बाहर रहने की अवधि में विधिवत प्रभार हस्तान्तरण नहीं कर रहें है।

3 शिक्षकों द्वारा अध्यापक डायरी नहीं बनायी जा रही है।

4 छात्रों की विद्यालयों में नियमित रूप उपस्थिति असंतोजनक है।

5 प्राथमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अत्यधिक न्यून पायी गयी है।

6 "विद्यालय एक दृष्टि में" शैक्षिक पंचांग, स्टाफ स्टेटमेंट का चार्ट विद्यालयों में नहीं लगा है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक

विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा0शि0)

देहरादून।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1794 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह अप्रैल एवं मई 2014 की विद्यालयों की निरीक्षण आख्या में आपके द्वारा आधिकांश विद्यालयों में निम्नांकित समस्याओं का उल्लेख किया गया है–

1 विद्यालय की श्रेणी एवं ग्रेड संतोषजनक नहीं है।

2 विद्यालय मानचित्रण विद्यालय साज–सज्जा असंतोषजनक कक्षा–कक्ष में बैठने की व्यवस्था अव्यवस्थित है।

3 विद्यालय अभिलेख अव्यवस्थित एवं प्रविष्टि रहित हैं।

4 मध्याह्न भोजन योजना के अन्तर्गत मीनू के अनुसार भोजन नहीं बन रहा है।

5 प्रार्थना सभा की गतिविधियों का संचालन

6 विद्यालय के भौतिक परिवेश का सौन्दर्यकरण समुचित नहीं है।

7 गतिविधि आधारित शिक्षण , टी0एल0एम0 का प्रयोग ,छात्र प्रतिभागिता , शिक्षक दैनंदिनी , सतत एवं व्यापक मूल्यांकन तथा उपचारात्मक शिक्षण आंशिक रूप से हो रहा है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवकश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारियों/बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु अनुश्रवण करने को निर्देशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा0शि0)
चम्पावत।

पत्रांक/निरीक्षण/ 1793 /2013–14 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा प्रेषित माह मार्च, अप्रैल एवं मई 2014 में विद्यालयों के किये गये निरीक्षण आख्या के परीक्षण के क्रम में आपको निम्नतालिकानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया जाता है–

निरीक्षित विद्यालय	निरीक्षण में पायी गयी कमी	अपेक्षित कार्यवाही
रा0इ0का0बापरू चम्पावत	प्रधानाचार्य सहित प्रवक्ता इतिहास, भौतिक विज्ञान, जीवविज्ञान गणित तथा स0अ0 विज्ञान, अंग्रेजी के पद रिक्त है।	पदों को भरने हेतु निदेशालय माध्यमिक शिक्षा को प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
रा0उ0मा0वि0 मऊ	प्रधानाध्यापक तथा स0अ0 हिन्दी, अंग्रेजी तथा व्यायाम के पद रिक्त है।	पदों को भरने हेतु निदेशालय माध्यमिक शिक्षा को प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
रा0इ0का0 चौमेल	विद्यालय के प्राचार्य सहित प्रवक्ता हिन्दी, समाशास्त्र, व राजनीतिविज्ञा तथा एल0टी0अंग्रेजी भाषा, सामान्य व कला के पद रिक्त है।	पदों को भरने हेतु निदेशालय माध्यमिक शिक्षा को प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
रा0प्रा0वि0 बनतौली	एकल शिक्षिका होने के कारण समय सारणी का अनुपालन नहीं हो पा रहा है।	एक अन्य शिक्षक की तैनाती हेतु जिला शिक्षा अधिकारी प्रा0 को संस्तुति प्रस्तुत करते हुये अग्रेत्तर कार्यवाही करें।
रा0प्रा0वि0 मऊ	विद्यालय की समय सारणी नहीं है। दैनन्दनी अपूर्ण है।	शिक्षकों की दैनन्दिनी बनाने हेतु चेतावनी निर्गत करते हुये अनुपालन आख्या प्राप्त करें।
रा0प्रा0वि0 धोनरावत	कक्षा 1, 2 व 5 की निशुल्क पुस्तकें अप्राप्त ह।	उपखण्ड शिक्षा अधिकारी से अभ्यास पुस्तिकाओं के वितरण न किये जाने के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्राप्त करते हुये विद्यालय अभ्यास पुस्तिकायें उपलब्ध कराने हेतु अग्रेत्तर कार्यवाही करें।
रा0प्रा0वि0 भजनपुर, रा0उ0प्रा0वि, सैलानीगोट रा0प्रा0वि0 सैलानीगोट, रा0प्रा0वि0 आमबाग, रा0प्रा0वि0 मुडयानी, ज0पू0मा0वि0 मुडयानी, रा0प्रा0वि0 खीडी, रा0प्रा0वि0 हरखेडा, रा0प्रा0वि0 विविल रा0उ0प्रा0वि0 बमनकुडा	निशुल्क पुस्तकें अप्राप्त है।	

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

जिला शिक्षा अधिकारी (मा0शि0)
हरिद्वार।

पत्रांक – निरीक्षण/ 1791-92/2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा माह मई में विकास खण्ड बहादराबाद, भगवानपुर, लक्सर व रूडकी विकासखण्ड के 10 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षित विद्यालयों में 4 विद्यालयों की श्रेणी D असंतोषजनक और 6 विद्यालयों की श्रेणी E चिन्ताजनक वर्गीकृत की गयी है। निरीक्षण के निर्धारित मानकों के आधार पर उक्त विकास खण्ड के विद्यालयों की स्थिति अत्यन्त खेदजनक है। निरीक्षण आख्या के परीक्षण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकांश विद्यालयों में बच्चों का शैक्षणिक स्तर न्यून है तथा भौतिक परिवेश यथा साफ–सफाई की स्थिति असंतोषप्रद है। विद्यार्थियों की उपस्थिति न्यून है व कम्प्यूटर सुचारू रूप से संचालित नहीं है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी बहादराबाद, भगवानपुर, लक्सर व रूडकी व सम्बन्धित बी0आर0सी0/ सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु निरीक्षण एवं अनुश्रवण करने को आदेशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

पृ0सं0 – निरीक्षण/ 1791-92 /2013–14/ तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. प्राचार्य डायट हरिद्वार को इस आशय से प्रेषित कि अकादमिक अनुसमर्थन के लिए डायट में नियुक्त स्टॉफ को लैब एरिया में निरीक्षण हेतु भेजें।

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

प्रेषक,

महानिदेशक
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड
देहरादून।

सेवा में,

मुख्य शिक्षा अधिकारी
हरिद्वार।

पत्रांक– निरीक्षण/ 1789-90 /2014–15 दिनांक 31 मई 2014

विषय :– विद्यालयों के आकस्मिक निरीक्षण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आप द्वारा माह मई में विकास खण्ड बहादराबाद के 12 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षित विद्यालयों में 4 विद्यालयों की C श्रेणी संतोषजनक 5 विद्यालयों की श्रेणी D असंतोषजनक और 3 विद्यालयों की श्रेणी E चिन्ताजनक वर्गीकृत की गयी है। निरीक्षण के निर्धारित मानकों के आधार पर बहादराबाद खण्ड के विद्यालयों की स्थिति अत्यन्त खेदजनक है। निरीक्षण आख्या के परीक्षण से यह निष्कर्ष निकलता है कि अधिकांश विद्यालयों में बच्चों का शैक्षणिक स्तर न्यून है तथा भौतिक परिवेश यथा साफ–सफाई की स्थिति असंतोषप्रद है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि निरीक्षित विद्यालयों में पायी गयी खामियों का निराकरण करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी बहादराबाद व सम्बन्धित बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 को विद्यालयों में अपेक्षित सुधार हेतु निरीक्षण एवं अनुश्रवण करने को आदेशित करें तथा अनुपालन आख्या महानिदेशालय को एक माह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,

31/5/14

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

पृ0सं0 – निरीक्षण/ 1789-90 /2013–14/ तद्दिनांकित।

प्रतिलिपिः निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. प्राचार्य डायट हरिद्वार को इस आशय से प्रेषित कि अकादमिक अनुसमर्थन के लिए डायट में नियुक्त स्टॉफ को लैब एरिया में निरीक्षण हेतु भेजें।

(सीमा जौनसारी)
अपर निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड

जनपद टिहरी

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री दिनेश चन्द्र गौड़	मुख्य शिक्षा अधिकारी	35			
2	श्री अतुल सेमवाल	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक	8			
3	श्री शिव प्रसाद सेमवाल	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक	4			
4	प्राचार्य	डायट टिहरी	13			

जनपद उधमसिंहनगर

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	डा0 निधी तिवाड़ी	मुख्य शिक्षा अधिकारी		8		
2	श्री पारसनाथ सिंह	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक		E.D.&C.L.		
3	जिला शिक्षा अधिकारी प्रा0	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक				
4	प्राचार्य/प्रवक्ता	डायट उधमसिंह नगर				

जनपद उत्तरकाशी

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री रघुनाथ आर्य	मुख्य शिक्षा अधिकारी	10	09		
2	चेतन प्रसाद नौटियाल	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक				
3	श्री राय सहाब यादब	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक		15		
4	प्राचार्य	डायट	4			

गढ़वाल मण्डल

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	अपर शिक्षा निदेशक	अपर शिक्षा निदेशक प्रा0		5		
2	अपर शिक्षा निदेशक	अपर शिक्षा निदेशक मा0				

कुमायूँ मण्डल

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	अपर शिक्षा निदेशक	अपर शिक्षा निदेशक प्रा0	3	1		
2	अपर शिक्षा निदेशक	अपर शिक्षा निदेशक मा0	33	5		
			591	~~397~~ 412		

उप निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड

निरीक्षण आख्यायों का विवरण

जनपद अल्मोड़ा

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री अशोक कुमार जुकारिया	मुख्य शिक्षा अधिकारी	13	14		
2		जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक				
3		जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक				
4	प्राचार्य	डायट अल्मोड़ा	15			
5						

जनपद बागेश्वर

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री दिनेश लाल	मुख्य शिक्षा अधिकारी	E.D.	18		
2	श्री विरेन्द्र नाथ सिंह	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक	0	4		
3	श्री रामेन्द्र कुशवाहा	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक	10	7		
4	प्राचार्य	डायट बागेश्वर				

जनपद चमोली

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत	मुख्य शिक्षा अधिकारी	7	8		
2	श्री आशुतोष भंडारी	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक	8			
3	श्री अशोक कुमार गुसांई	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक	25	11		
4	प्राचार्य	डायट चमोली	3	11		

जनपद चम्पावत

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री रमेश चन्द्र आर्या	मुख्य शिक्षा अधिकारी	10	14		
2	श्री ए0के0 सिंह	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक	6	18		
3	श्री के0एस0 रावत	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक	11	11		
4	प्राचार्य	डायट चम्पावत	10			

जनपद देहरादून

क्र.स.	निरीक्षण कर्ता का नाम	पदनाम	अप्रैल 2014	मई 2014		
1	श्री शिव प्रसाद खाली	मुख्य शिक्षा अधिकारी	37	15		
2	श्री चित्रानन्द काला	जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक	E.D.	8		
3	श्री पदमेन्द्र सकलानी	जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक	10	27		
4	प्राचार्य	डायट देहरादून				

उप निदेशक
महानिदेशालय
विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड